

दिसंबर तक भारत-ईयू एफटीए समझौता

यूरोपीय बाजार में 93 प्रतिशत भारतीय निर्यात को मिलेगी पहुंच, अगले साल फरवरी-मार्च से लागू होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 22 जून भारत और यूरोपीय यूनियन (ईयू) के बीच लंबे समय से चल रही मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।



केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और 27 देशों के यूरोपीय समूह के बीच दिसंबर तक एफटीए पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जबकि इसके अगले वर्ष फरवरी-मार्च से लागू होने की उम्मीद है। यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोप के विशाल बाजार के द्वार और अधिक खोलने वाला साबित हो सकता है।

गोयल ने यह भी संकेत दिया कि भारत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ भी व्यापार समझौतों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने बताया कि कनाडा के साथ प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत जारी है और दोनों पक्ष इस वर्ष समझौते को अंतिम रूप देने के इच्छुक हैं। वहीं अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौते को लेकर उच्चस्तरीय वार्ताएं चल रही हैं। इस अवसर पर मंत्री ने देश के निर्यात प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-जून तिमाही में भारत का निर्यात लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है।

मंत्री ने कहा कि भारत और ईयू की संयुक्त आर्थिक शक्ति वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। दोनों मिलकर दुनिया की कुल जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं। ऐसे में यह समझौता केवल दोनों पक्षों के बीच व्यापार बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और निवेश प्रवाह को भी मजबूती देगा।

जून के अंत में चार दिन बैंक बंद

शाखाएं बंद, डिजिटल सेवाएं रहेंगी चालू
नकदी और लेनदेन की पहले करें तैयारी

अवसर पर विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले दिन 26 जून को मुहर्रम के कारण नई दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, कानपुर, पटना, भोपाल, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित कई प्रमुख शहरों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी।

इसके बाद 27 जून को महीने का चौथा शनिवार होने के कारण देशभर में बैंकों की नियमित छुट्टी रहेगी। वहीं 28 जून को रविवार होने से सभी बैंक बंद रहेंगे। लगातार पड़ने वाली इन छुट्टियों के कारण शाखाओं में होने वाले कई कार्य चार दिनों तक प्रभावित रह सकते हैं। जिन ग्राहकों को बड़ी राशि जमा करनी है, चेक जमा कराने हैं, ऋण संबंधी दस्तावेज पूरे करने हैं या किसी अन्त्या शाखा आधारित सेवा की जरूरत है, उन्हें अवकाश शुरू होने से पहले ही अपना काम पूरा कर लेना चाहिए।

नई दिल्ली, 22 जून के आखिरी समाह में बैंक ग्राहकों को अपनी वित्तीय योजनाएं समय रहते पूरी करनी होंगी। रिजर्व बैंक के अवकाश कैलेंडर के अनुसार 25 जून से 28 जून तक विभिन्न कारणां से कई शहरों में बैंक लगातार चार दिन बंद रहेंगे।

ऐसे में नकदी जमा करने, चेक क्लियरिंग, ड्राफ्ट बनवाने और शाखा से जुड़े अन्य जरूरी कार्यों को पहले ही निपटाने की सलाह दी गई है। बैंक अवकाशों की यह श्रृंखला मुहर्रम, चौथे शनिवार और रविवार की छुट्टियों के कारण बन रही है। 25 जून को मुहर्रम के

सोना-चांदी की कीमतों में उछाल

सोना हुआ 800 रुपए तक महंगा, चांदी में 4000 रुपए प्रति किलो की जोरदार तेजी



नई दिल्ली, 22 जून .भारतीय सूर्यफा बाजार में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। वैश्विक बाजारों में बढ़ती मांग, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की कमजोरी के चलते कीमती धातुओं के दामों में मजबूती आई है। घरेलू बाजार में 22 कैरेट और 24 कैरेट सोना महंगा हो गया है, जबकि चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 24 कैरेट सोना करीब 14,700 से 14,800 प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर

असर पड़ सकता है, खासकर शादी और त्योहारों के सीजन से पहले। वहीं चांदी ने इस बार सोने से भी तेज रफ्तार दिखाई है। चांदी की कीमतों में करीब 24000 प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर कीमती धातुओं पर पड़ रहा है।

समाचार विशेष

पंजाब की खिचड़ी कश्मीर में पका रहे सिद्ध..?



नवजोत सिंह सिद्धू ने फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद उनकी जमकर तारीफ की है। साथ ही उन्होंने फारूक को भारतीय राजनीति का दिग्गज करार दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला देश की राजनीति में प्रभावशाली आवाजों में से एक हैं। साथ ही उन्होंने फारूक अब्दुल्ला द्वारा जनता के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखने और खुलकर बोलने पर तारीफ की।

इस मुलाकात को लेकर नवजोत सिंह सिद्धू ने भी अपने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है। एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि फारूक अब्दुल्ला साहब से उनके घर पर मुलाकात की। हमारी यात्रा को आसान बनाने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। भारतीय राजनीति की एक बड़ी हस्ती, जिनमें सच बोलने की हिम्मत है और जो कश्मीर के लोगों को सच्ची धर्मनिरपेक्ष आवाज हैं।

राष्ट्रीय सम्मेलन सूत्रों के अनुसार, सिद्धू ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री से उनके गुपकर स्थित आवास पर मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, जम्मू-कश्मीर में हो रहे घटनाक्रम और आपसी हित के अन्य विषयों पर चर्चा की।

सिद्धू ने अपने इस पोस्ट में मुलाकात की शानदार झलकियां भी दिखाई हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने फारूक अब्दुल्ला के साथ दो फोटो शेयर करते हुए इस मुलाकात के बारे में जानकारी दी है। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री का अपनी कश्मीर यात्रा में मदद के लिए शुक्रिया भी अदा किया है।

भीड़ नहीं, हमें ईमानदारी चाहिए

चेन्नई. तमिलनाडु के पूर्व भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने अपने नई राजनीतिक पार्टी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया वीडियो एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने बताया कि हाल ही में शुरू किया गया उनका वी द लीडर्स मूवमेंट जुलाई तक एक राजनीतिक पार्टी बनने की दिशा में सही रास्ते पर है और इसका लक्ष्य 50 लाख सदस्य बनाना है। बीजेपी तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में उन्होंने कहा कि आज कई राजनीतिक संगठन दावा कर सकते हैं कि उनके पास एक करोड़, 50 लाख, 30 लाख या डेढ़ करोड़ सदस्य हैं, लेकिन हम उस होड़ में शामिल नहीं हैं। हमारे राजनीतिक आंदोलन में सबसे जरूरी चीज ईमानदारी है। जिस दिन 'वी द लीडर्स मूवमेंट' की वेबसाइट पर वॉलंटियर्स की संख्या 50 लाख तक पहुंच जाएगी, हम इस बारे में बात करेंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू ने फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद उनकी जमकर तारीफ की है। साथ ही उन्होंने फारूक को भारतीय राजनीति का दिग्गज करार दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि फारूक अब्दुल्ला देश की राजनीति में प्रभावशाली आवाजों में से एक हैं। साथ ही उन्होंने फारूक अब्दुल्ला द्वारा जनता के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखने और खुलकर बोलने पर तारीफ की।

आईसीआईसीआई प्रू सिग्नेचर सिक्कयोर हुआ लॉन्च

यह प्लान हम नुनन की संभानना के साथ गारंटीड मैच्योरिटी बेनिफिट भी देता है
लाइफ कवर के साथ सिगल-प्रीमियम प्रोडक्ट

लिहाज से बेहतर और गारंटीड फायदे चाहते हैं. इसका ढाँचा बेहद सरल है, एक बार निवेश कीजिए, पॉलिसी अवधि के दौरान लाइफ कवर का लाभ लीजिए और 5 वर्ष पूर्ण होने पर मैच्योरिटी लाभ पाइए. मैच्योरिटी पर ग्राहक को फंड वैल्यू या गारंटीड मैच्योरिटी बेनिफिट में से जो अधिक होगा, वह मिलेगा. इससे निवेश पर निश्चित और भरोसेमंद रिटर्न मिलता है. उदाहरण के लिए, मान लीजिए कोई 45 वर्षीय ग्राहक एकमुश्त निवेश का विकल्प चुनता है. वह आईसीआईसीआई प्रू सिग्नेचर सिक्कयोर में 5 लाख रुपए निवेश करके पॉलिसी अवधि के दौरान लाइफ कवर का लाभ ले सकता है. ग्राहक 6.25 लाख रुपए का लाइफ कवर यानि सम एश्योर्ड चुन सकता है.

भोपाल. आईसीआईसीआई प्रू डेवेलपमेंट लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू सिग्नेचर सिक्कयोर लॉन्च किया है. यह भारतीय जीवन बीमा उद्योग का पहला यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) है, जिसमें पहले से शामिल गारंटीड मैच्योरिटी बेनिफिट दिया गया है. आईसीआईसीआई प्रू सिग्नेचर सिक्कयोर एक नॉन-पार्टिसिपेटिंग लिंक्ड इंविजुअल सेविंग्स लाइफ इंश्योरेंस प्लान है. इसे उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है, जो टेक्स के

जांच के तैयारी के आधार पर संबंधित देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जा सकता है. इस कदम का उद्देश्य टैरिफ को कानूनी रूप से अधिक मजबूत बनाना बताया जा रहा है, ताकि इसे अदालतों में चुनौती देना कठिन हो. इसके विपरीत, कुछ देशों पर दबाव बढ़ने का आशंका है. सिंगापुर जैसे व्यापारिक साझेदार पर अतिरिक्त शुल्क लागू होने का जोखिम बताया जा रहा है, जिससे उसकी निर्यात स्थिति प्रभावित हो सकती है.

ट्रंप टैरिफ 2.0 का नया खेल प्रारंभ

धारा 301 के तहत नए टैरिफ ढांचे की तैयारी
कुछ देशों पर टैक्स घटाया, तो कुछ पर बढ़ाया



नई दिल्ली, 22 जून अमेरिका में व्यापार नीति एक बार फिर बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है, जहां पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित 'टैरिफ 2.0' मॉडल के तहत वैश्विक व्यापार समीकरण बदलने की तैयारी है. अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले लागू किए गए वैश्विक टैरिफ को अवैध ठहराए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 का सहारा लेकर नई टैरिफ व्यवस्था तैयार कर रहा है. नई रणनीति के तहत अमेरिका कई देशों के व्यापारिक व्यवहार की

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई व्यवस्था में सभी देशों पर समान असर नहीं पड़ेगा. जुलाई के अंत में मौजूदा अस्थायी 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ समाप्त होने के बाद कुछ देशों पर शुल्क घटने की संभावना है, जबकि कुछ पर बढ़ोतरी हो सकती है. फिलीपींस जैसे देशों के लिए राहत की संभावना है, जहां टैरिफ मौजूदा स्तर से घटकर लगभग 12.5 प्रतिशत तक आ सकता है. वहीं दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों पर भी जांच के आधार पर शुल्क में बदलाव देखने को मिल सकता है.

जांच के तैयारी के आधार पर संबंधित देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जा सकता है. इस कदम का उद्देश्य टैरिफ को कानूनी रूप से अधिक मजबूत बनाना बताया जा रहा है, ताकि इसे अदालतों में चुनौती देना कठिन हो. इसके विपरीत, कुछ देशों पर दबाव बढ़ने का आशंका है. सिंगापुर जैसे व्यापारिक साझेदार पर अतिरिक्त शुल्क लागू होने का जोखिम बताया जा रहा है, जिससे उसकी निर्यात स्थिति प्रभावित हो सकती है.

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई व्यवस्था में सभी देशों पर समान असर नहीं पड़ेगा. जुलाई के अंत में मौजूदा अस्थायी 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ समाप्त होने के बाद कुछ देशों पर शुल्क घटने की संभावना है, जबकि कुछ पर बढ़ोतरी हो सकती है. फिलीपींस जैसे देशों के लिए राहत की संभावना है, जहां टैरिफ मौजूदा स्तर से घटकर लगभग 12.5 प्रतिशत तक आ सकता है. वहीं दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों पर भी जांच के आधार पर शुल्क में बदलाव देखने को मिल सकता है.

भारतीय शेयर बाजारों में आई तेजी

291.17 अंक पर आया संसेक्स
89.80 अंक पर पहुंचा निफ्टी



मुंबई, 22 जून पिछले कारोबारी दिवस की गिरावट से उबरते हुए घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी रही और बीएसई का संसेक्स 291.17 अंक (0.38 प्रश) चढ़कर 77,094.07 अंक

पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 89.80 अंक यानी 0.37 प्रश ऊपर 24,102.90 अंक पर बंद हुआ.

संसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर दो प्रतिशत के करीब बढ़ा. सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और बीईएल में भी एक प्रतिशत अधिक तेजी रही. बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी तेजी से सुलझाने की दिशा में काम कर रहे हैं.

इंडियन बैंक		न्यू पलासिया शाखा: एम्बेसी टॉवर, न्यू पलासिया, इन्दीर (म.प्र.)	कब्जे की सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (12) संपठित प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का अनुप्रयोग करके निम्न ऋणगुहिता/बंधककर्ता को निम्न वर्णित दिनांक को सूचना प्रेषित करते हुए इस सूचना प्राप्ति के 60 दिन के अंदर ऋणग्राहि अदा करने की अपेक्षा की गई थी। चूंकि ऋणगुहिता द्वारा उपरोक्त समय अवधि में ऋण अदायगी में त्रुटि की है अतः ऋणगुहिता/बंधककर्ता तथा सर्वसाधारण जनता को एवद द्वारा सूचना दी जाती है कि प्राधिकृत अधिकारी ने नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा आधिपत्य अधिनियम की धारा 13 (4) संपठित उपरोक्त नियमों के नियम 8 एवं 9 के अंतर्गत निम्न वर्णित दिनांक को प्राप्त कर लिया है। ऋणगुहिता/बंधककर्ता को विशेषतः तथा सम्पन्न जनता को साधारणतः सतर्क किया जाता है कि इस संपत्ति के संबंध में कोई संयवहार न करे तथा यदि कोई संयवहार किया गया तो वह इंडियन बैंक के ऋणगुहिता के समक्ष वर्णित राशि के चार्ज के अधीन होगा। ऋणगुहिता का ध्यान प्रतीति अस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिक जानकारी धारा 13 (8) के उपबंधों की ओर आकृषित किया जाता है।			
क्र.सं.	ऋणी का नाम	चल संपत्ति और अचल संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस कब्जा नोटिस की दिनांक
1.	श्रीमती दामिनी शंभर पति श्री दोंगर सिंह	1. संपत्ति के सभी प्रमुख अंग प्लॉट नं. 79, माँ गिनि विहार, ग्राम पिपलिया महार, सर्वे नं. 66/1/1, 66/1/2, 66/2/1, तहसील महू, जिला इन्दीर (म.प्र.), क्षेत्रफल: 850 वर्गफीट, चर्चु:सीमा: उत्तर: प्लॉट नं. 80, दक्षिण: प्लॉट नं. 78, पूर्व: प्लॉट नं. 19, पश्चिम: कॉलोनी की सड़क 2. संपत्ति के सभी प्रमुख अंग प्लॉट नं. 80, माँ गिनि विहार, ग्राम पिपलिया महार, सर्वे नं. 66/1/1, 66/1/2, 66/2/1, तहसील महू, जिला इन्दीर (म.प्र.), क्षेत्रफल: 850 वर्गफीट, चर्चु:सीमा: उत्तर: प्लॉट नं. 81, दक्षिण: प्लॉट नं. 79, पूर्व: प्लॉट नं. 18, पश्चिम: कॉलोनी की सड़क	09.04.26 17.06.26
			40,25,395.14/- + ब्याज एवं अन्य खर्च
स्थान : इन्दीर, दिनांक : 23.06.2026 प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक			

अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड

सोआईएनएन: U74999DL2002PLC117052, ए-270, पहलू और दूसरी मंजिल, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024
ईमेल: admin@alchemistarc.com, वेबसाइट: www.alchemistarc.com

कब्जे की सूचना (SARFAESI एक्ट, 2002 की धारा 13(4) और सिक्कोरिटी इंस्ट्रेंट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002 के नियम 8 के तहत) (अचल संपत्ति के लिए)

मैं, अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (जो SBFC फाइनेंस लिमिटेड की असाइनी है, असाइनमेंट एग्रीमेंट दिनांक 30.09.2025 के तहत) का अधिकृत अधिकारी हूँ। सिक्कोरिटी इंस्ट्रेंट एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल प्रसेसर्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्कोरिटी इंस्ट्रेंट एक्ट, 2002 (2002 का 54) और सिक्कोरिटी इंस्ट्रेंट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002) के नियम 3 के साथ पढ़े जाने वाले सेक्शन 13 (12) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, मैंने 19 दिसंबर 2025 को एक डिमांड नोटिस जारी किया था। इसमें उधारकर्ता शिवनारायण यादव, पूजा यादव, श्री रुद्र कलेस्वरन (यानि अकाउंट नंबर PR01259829) से नोटिस में बताई गई रकम - 4,52,265/- (चार लाख बावन हजार दो सौ पचास हजार) को नोटिस मिलने की तारीख से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था। उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैंने 'सिक्कोरिटी इंस्ट्रेंट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002' के नियम 8 के साथ पढ़े जाने वाले एक्ट के सेक्शन 13 के सब-सेक्शन (4) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, नीचे बताई गई प्रॉपर्टी का कब्जा 19 जून 2026 को ले लिया है। उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रॉपर्टी का कोई लेन-देन न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई भी लेन-देन अल्केमिस्ट एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के 4,52,265/- और उस पर लागू होने वाले ब्याज के चार्ज के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट के सेक्शन 13 के सब-सेक्शन (8) के प्रावधानों की ओर दिलिया जाओ, जो सुशुद्ध एसेट का छुड़ाने (रिडीम करने) के लिए उपलब्ध समय के बारे में हैं।

उधारकर्ताओं/उधारकों का विवरण

स.क्र.	ऋण खाता संख्या	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता /गारंटरों का नाम	बकाया राशि	नोटिस की तारीख 13(4)	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	बकाया राशि
1.	PR01259829	1. शिवनारायण यादव 2. शीतल पूजा यादव 3. श्री रुद्र कलेस्वरन	रु. 4,52,265/-	19-जून-2026	16/1 यादव मुहल्ला, ग्राम अहिरबाईया बाघपा आगर, शाजापुर आगर प्रवेश, 465441	30 सितंबर 2025

उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम जनता को जानकारी के लिए जारी की जा रही है। उधारकर्ता/गारंटर को चेतावनी दी जाती है कि वे ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) को सुशुद्ध लेनदार की पहले से लिखित मंजूरी के बिना न तो बेचें, न ही उसे लीज पर दें, न गिरवी रखें, न उस पर कोई चार्ज बनाएं और न ही किसी अन्य तरीके से उसका निपटार करें। यह सूचना SARFAESI एक्ट, 2002 के प्रावधानों के तहत उधारकर्ता/गारंटर और आम